

राम ॥ राम नाम लो, भाग जगाओ ॥

॥ राम नाम लो, भाग जगाओ ॥

राम

राम

२४२

॥ पदराग मिश्रित ॥

म्हारो ने संदेसो

राम

राम

राम

**Oh, Lord listen to me**

राम

म्हारो ने संदेसो साहेब सांभळो ॥ बिनाजी सुणीयां रो, नहीं ये सूल ॥

राम

राम

ब्रहन बिचारी तन कूं छाडसी ॥ रही ऊरध मुख झूल ॥टेर॥

राम

राम

Oh, Supreme Lord, hear my plea. If you do not hear me, how will my sorrow be alleviated? The longing in my heart says that if you do not listen to my sorrow, I will abandon this body. I am swinging upside down, lost in despair

राम

राम

बरस अठारा हर बिना काडीया ॥ म्हारे आस रही घर माय ॥

राम

राम

अब तो जोगण हर होय जाव सूं ॥ बस्तर देऊँजी बगाय ॥१॥

राम

राम

I have spent eighteen years without you. I have placed my hopes in the actions of Maya (illusion). Now, O Lord, I will detach myself from actions and become a renunciate of knowledge. I will abandon the actions of the Maya and become a renunciate.

राम

राम

राम

राम

काँयेतो ढोल्यो हर नहीं घालता ॥ भेद न देताजी मोय ॥

राम

राम

बीना तो दिटी साहेब चीजरो ॥ म्हाने दुःख दालद नहीं होय ॥२॥

राम

राम

Oh God, if you had not given the human body, and do not reveal the secret of how the Sat shabda (eternal word) manifests, then I would not have sorrow and regret for something I have not seen.

राम

राम

सबदां कलेजो राम जी बीदियो ॥ म्हारे करोत बहे उर माय ॥

राम

राम

नख चख साले रामजी निस दिना ॥ मो सूं हर बिना रयो नहीं जाय ॥३॥

राम

राम

My heart was pierced by the words, and a pain as if a cut given by a knife began to rise in my chest. This pain has been with me from head to toe, day and night. I cannot bear to be without the Lord. This longing remains: O Lord, when will you meet me?

राम

राम

राम

राम

अब तो जग मे वो हर नहीं आवडे ॥ आप मिलोनी आय ॥

राम

राम

ईण तो अपराधी दुष्टी जीवरो ॥ जलम अकारथ जाय ॥४॥

राम

राम

Oh Paramatma (the Lord), The pleasures of the Triguni-Maya (illusion) no longer appeal to me. Therefore, please come to me, O Sat-Swarupi (the Lord) Ramji. The life of this sinful and wicked soul is going to waste without meeting you.

राम

राम

राम

राम

अेकण मेल दूजे चडी ॥ तीजी खडी छू जी आण ॥

राम

राम

बजर दरवाजा हर नहीं ऊघडे ॥ रया क्राराजी ताण ॥५॥

राम

राम

One palace i.e. the body, I climbed from the body to another palace i.e. the khand (universe having form), and from there I climbed and stood on the top most position of the third universe (formless universe), but the door of the vajra-pole (extreme boundary of the formless universe) does not open by me. This door seems very strong.

राम

राम

राम

राम

चेन तमासा हर दिखलाय के ॥ मत डेहकावोजी मोय ॥

राम

राम

राम

राम ॥ राम नाम लो, भाग जगाओ ॥

॥ राम नाम लो, भाग जगाओ ॥

राम

राम

किरपा करोनी जन पर दयालजी ॥ मोय द्रसण दो पट खोय ॥६॥

राम

Do not deceive me by showing me the tricks of illusion. Oh, merciful one, have compassion on me and reveal yourself to me openly.

राम

राम

जन सुखदेव हरजी सूं बीणती ॥ सुणज्योजी सुरत लगाय ॥

राम

राम

अमर लोक जी साहेब आपरो ॥ म्हने बडोजी देखण रो चाव ॥७॥

राम

राम

Satguru Sukharamaji Maharaj said, "Oh Paramatma (the lord), listen to my prayer attentively. The soul is saying, I have a great desire to see your immortal world (the Amarlok).

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम